चतुर्थ सेमेस्टर				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
8	**प्रयोगात्मक - 8**	एम0पी**0**ए0एम0आई**0-6**0**8**	**350**	7
प्रथम खण्ड	इकाई - 1 मंच प्रदर्शन के राग एवं अन्य सभी रागों में रजाखानी गत, आलाप, तोड़े आदि।			
	इकाई 2 - पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में आलाप, जोड़ आलाप, मध्यलय रचना(तीनताल के अतिरिक्त किसी ताल में), तोड़े व झाला।			
	इकाई 3 - अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान।			
	इकाई 4 - पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों की पढन्त।			
	इकाई 5 - पाठ्यक्रम की तालों की लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) में पढन्त।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			

नोट – इस प्रश्न पत्र की सभी इकाईयां क्रियात्मक व प्रायोगिक होने के कारण तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के लिए समान है। विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए रागों एवं तालों के अनुरूप अध्ययन करें।

चतुर्थ सेमेस्टर

राग – आसावरी-कोमल ऋषभ, मुल्तानी, ललित, बिलासखानी तोड़ी, श्री व पूरियाधनाश्री

ताल - झूमरा, सूलताल, गजझम्पा ताल व 11 मात्रा की ताल

नोट – पूर्व के सेमेस्टरों के प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1. वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।
2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।
3. डॉ0 लक्ष्मीनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।
4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।
5. एस0एस0 परान्जपे,भारतीय संगीत का इतिहास